महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

प्राकृतिक भाषा संसाधन पर पाँच दिवसीय कार्यशाला

वर्धा दि. 19 जनवरी 2014:

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के भाषा विद्यापीठ में भाषा प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्राकृतिक भाषा संसाधन विषय पर पाँच दिवसीय कार्यशाला में रविवार को कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विभाग, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोध छात्र राम अनिरुद्ध ने मशीनी अनुवाद पर अपनी बात रखी। उन्होंने मशीनी अनुवाद के विभिन्न क्षेत्र जैसे साहित्यिक कार्यों, वैज्ञानिक, उपभोक्ता निर्देशिका, प्रशासनिक कार्यों, प्रसिद्धि के लिए, समाचार पत्रों का रिपोर्ट आदि की चर्चा की। उन्होंने अनुवाद के दोनों मोड ऑटो और इण्ट्रेक्टिव मोड से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कि सन् 1933 में जॉर्ज एस्ट्रोनी ने पेपर स्टोरेज डिवाइस तैयार किया तथा सन् 1949 में वारेन वेवर ने अनुवाद हेतु कंप्यूटर के प्रयोग को प्रस्तावित किया, पहला मशीन अनुवाद सन् 1954 में रसियन से अंग्रेजी में हुआ। सन् 2006 में गूगल ट्रांसलेटर उपयोगकर्ताओं के सामने आया। इसके अलावा भी अन्य कई अनुवाद मशीन लगातार विकसित हो रहे हैं। कार्यशाला में भाषा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल, संयोजक डॉ. धनजी प्रसाद, आराधना सक्सेना सहित अध्यापक तथा प्रतिभागी उपस्थित थे।